ESTD : 1954

दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन

मासिक

समाचार पत्रिका

संपादक : एच. एल. खन्ना केवल सदस्यों के लिए निःशुल्क वितरण हेतु अंकः जुलाई 2018, मुद्रणः 30 जुलाई 2018

डीपीए की वेब साइट हुई लांच

26 जुलाई 2018 को दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन की कार्यकारिणी समिति की बैठक में संस्था की वेबसाइट delhiprintersassociation.org डोमेन के साथ विधिवत रूप से लांच की गई। इस बैठक में संस्था के पूर्व अध्यक्षों सहित समस्त कार्यकारिणी के सदस्य मौजूद थे। इसके साथ ही दिल्ली प्रिटिंर्स एसोसिएशन की सूचनाएं अब डिजिटल फार्म में उपलब्ध हो सकेंगी साथ ही सदस्य भी इसका उपयोग अपनी बात या समस्याएं तुरंत प्रेषित करने के लिए कर सकेंगे। जैसा कि आप जानते हैं कि वेबसाइट का प्रसारण दुनिया के हर देश में होता है ओर इसे कहीं भी, जहां इंटरनेट उपलबध है, कंप्यूटर और स्मार्टफोन पर देखा जा सकता है।

First choice of Printing Machine Manufacturers

Up to 60% cost reduction with
Busch Merlin Dry Rotary Claw Vacuum Pump

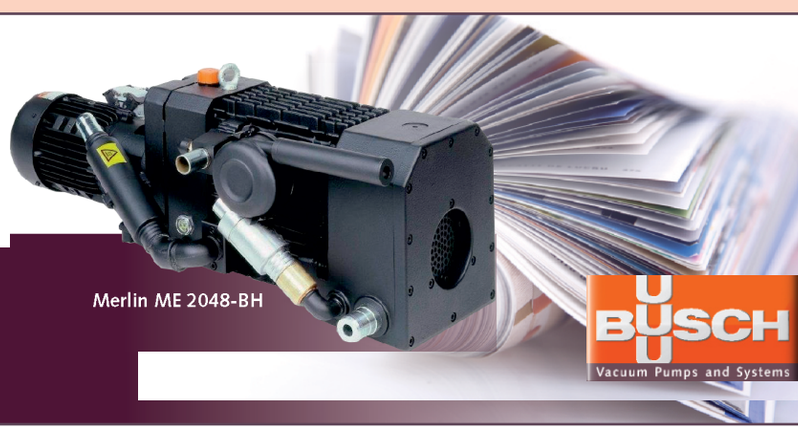

Busch Vacuum India Pvt Ltd.
Plot No.: 102-103, I Sector 5 I IMT Manesar I Gurgaon (Haryana) 122 050 I India
Phone: +91-9711991473 I sales@buschindia.com
www.buschindia.com

ESTD : 1954

President
Mr. Rajesh Sardana
98100-31996

Imm. Past President
Mr. Rajiv Gupta
98117-01764

Vice-presidents
Mr. Ajay Sharma
8178429924

Mr. Meghraj Bhati
98103-52633

Mr. Prakash Dass
98187-24948

Hon. General Secretary
Mr. Mahinder Budhiraja
93122-41788

Joint-secretaries
Mr. Atul Goel
98100-03943

Mr. Puneet Talwar
98110-81291

Treasurer
Mr. Kewal Krishan Singhal
98111-15945

Executive Members
Mr. Ashok Aggarwal
Mr. Ashok Kumar Nandra
Mr. D. K. Vohra
Mr. Deepak Bhatia
Mr. M. N. Pandey
Mr. Mohd Mustaqeem
Mr. P. K. Chauhan
Mr. P. N. Kapur
Mr. Prashant Aggarwal
Mr. Prabir Kumar Mukherjee
Mr. Raghu Nandan Sharma
Mr. Sandeep Aggarwal
Mr. Sanjay Sharma
Mr. Shiv Mittal
Mr. Simranjot Singh Bhatia
Mr. Sunil Jain
Mr. Vijay Goel
Mr. Vijay Jain
Mr. Vikas Gaur
Mr. Vivek Jain

Executive Secretary
H.L. Khanna
9958043222

Delhi Printers' Association
Flat No. 26A,
Shanker Market,
New Delhi-110001
Tel. : 011-23414415
Telefax : 011-23412574
Email : delhiprinter@hotmail.com

पढ़े-लिखे लोग भी एंटीबायोटिक दवाओं के खतरों से बेखबर

एक ताजा सर्वेक्षण से पता चला है कि न केवल अशिक्षित, बल्कि शिक्षित लोगों को भी एंटीबायोटिक दवाओं के सही उपयोग और एंटीबायोटिक प्रतिरोध के खतरों के बारे में पता नहीं है।पुणे स्थित नेशनल केमिकल लेबोरेटरी के वैज्ञानिकों ने यह सर्वेक्षण किया है, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के 504 लोगों को शामिल किया गया था। लगभग आधे (47 प्रतिशत) लोगों को ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) दवाओं और एंटीबायोटिक दवाओं के बीच अंतर के बारे में पता नहीं था। ओटीसी दवाएं किसी डॉक्टर द्वारा पर्चे पर लिखे निर्देशों के बिना सीधे उपभोक्ता को बेची जाने वाली दवाओं को कहते हैं।

अध्ययन में शामिल एक चौथाई प्रतिभागियों का मानना है कि दवा की खुराक छूट जाने से एंटीबायोटिक प्रतिरोध में कोई फर्क नहीं पड़ता।

इसी तरह 10 प्रतिशत लोगों ने यह स्वीकार किया कि वे डॉक्टर से परामर्श लिए बिना खुद ही दवा लेते हैं। शोध पत्रिका करंट साइंस में प्रकाशित इस सर्वेक्षण के नतीजों के मुताबिक, पांच में से एक ने पर्चे के बिना दवाएं खरीदीं या उचित चिकित्सा परीक्षा के बिना डॉक्टर को बुलाकर एंटीबायोटिक कोर्स शुरू किया।

सर्वेक्षण में शामिल पोस्ट ग्रेजुएट लोगों में से आधे से ज्यादा यह नहीं जानते थे कि दवा स्ट्रिप्स पर लाल रेखा क्या संकेत करती है। उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि दवा स्ट्रिप्स पर लाल रेखा होने का तात्पर्य है कि उस दवा को डॉक्टर के परामर्श के बिना नहीं उपयोग करना चाहिए। उन्हें यह भी पता नहीं था कि ऐसी दवाओं को ओवर-द-काउंटर बिक्री की अनुमति नहीं है। कम शिक्षित लोगों की स्थिति इस मामले में अधिक खराब थी। स्नातक कर रहे 71 प्रतिशत और 58.5 प्रतिशत स्नातक लोग दवा स्ट्रिप्स पर 'लाल रेखा' के बारे में अनजान थे।

अशिक्षित लोगों में से किसी को भी दवा स्ट्रिप पर लाल रेखा के महत्व के बारे में पता नहीं था और न ही उन्हें बैक्टिरिया से होने वाले संक्रमण में एंटी-बायोटिक दवाओं की भूमिका के बारे में ही जानकारी थी। ओटीसी तथा एंटीबाटोटिक में अंतर कर पाने में भी वे असमर्थ थे। एंटीबायोटिक दवाओं की प्रतिरोधक क्षमता के बारे में भी उन्हें जानकारी नहीं थी।

अत्यधिक एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग और डॉक्टर द्वारा बतायी गई दवा का सेवन नियमित न करने से रोगाणुओं में जैव प्रतिरोधी दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित होने लगती है और उन पर दवा का असर कम हो जाता है। हालांकि, ज्यादातर लोग थोड़ा बेहतर स्वास्थ्य होने पर नियमित दवा लेना छोड़ देते हैं या फिर पूरी तरह बंद कर देते हैं, जो सेहत के लिए ठीक नहीं है।

अध्ययनकर्ताओं में शामिल डॉ रघुनाथन ने इंडिया साइंस वायर को बताया कि "सर्वेक्षण के नतीजे स्पष्ट करते हैं लोगों को एंटीबायोटिक दवाओं, उसके निपटारे और बिना सोचे-समझे उन दवाओं के उपयोग के बारे में शिक्षित किया जाना जरूरी है।" शैक्षणिक और जनजागरूकता कार्यक्रमों के प्रसार के साथ-साथ एंटीबायोटिक नियंत्रण नीतियों को बेहतर ढंग से लागू करने की आवश्यकता है, जो चिकित्सकीय पर्चे के बिना दवाओं की उपलब्धता को प्रतिबंधित करने में मददगार हो सकती हैं।" अध्ययनकर्ताओं में अनु रघुनाथन के अलावा डॉ दीपनविता बनर्जी भी शामिल थी।

-डॉ वैशाली लावेकर, (इंडिया साइंस वायर)

वर्ष 2018-2019 के वार्षिक शुल्क के लिए सदस्यों से अनुरोध

जिन सदस्यों ने अपना वर्ष 2018-2019 का वार्षिक शुल्क अभी तक नहीं भेजा है उन्हें याद दिलाया जा रहा है कि अपना शुल्क स्वयं/कोरियर/डाक द्वारा शीघ्रअतिशीघ्र भेजने की कृपा करें। कुछ सदस्य ऐसे भी हैं जिनका वार्षिक शुल्क 2017-2018 का भी नहीं आया है, उन्हें फिर याद दिलाया जाता है कि लगातार दो वर्ष तक वार्षिक शुल्क न आने पर एसोसिएशन की सदस्यता स्वयं समाप्त हो जाती है।

यदि आप वार्षिक चंदा बैंक में सीधे जमा करना चाहते हैं तो संस्था के निम्नलिखित दो बैंक खातों में से किसी में भी जमा करवा सकते हैं तथा जमा करने के बाद संस्था को सूचित कर दें। बैंक का विवरण इस प्रकार है।

Delhi Prnters' Association
Current A/c No. 0050231000001
IFSC Code-HDFC0CTJCBL
Bank Name-The Janata
Co-Operative Bank Ltd.
नोटः- कृपया HDFC खाता धारक
उपरोक्त बैंक खाते में शुल्क जमा न करें।

Delhi Prnters' Association
Saving A/c No. 90042010031370
IFSC Code-SYNB0009004
Bank Name - Syndicate Bank

Printing, Processing and Binding Sponsored by

Print-Ways

अध्यक्ष की कलम से

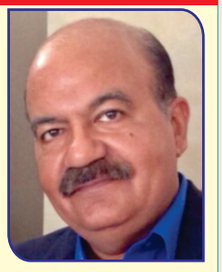

किसी भी छापे गए उत्पादन के कच्चे माल के दामों में कागज़ की भूमिका सबसे अहम् रहती है। हमारे उद्योग में तगड़ी स्पर्धा के रहते कागज़ के दामों में होने वाली थोड़ी सी बढ़त भी बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। इस संदर्भ में हम पेपर मिलों द्वारा समय -समय पर कागज़ के दामों में की जाने वाली बढ़ोत्तरी से चिन्तित हैं। पिछले कुछ महीनों में ही कागज़ के दामों में 3% प्रतिमाह की वृद्धि हुई। सूत्रों के अनुसार कागज़ के दामों में वृद्धि के कई कारण हैं जिनमें से मुख्य है कागज़ बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में लुग्दी की कमी, मौसमी परेशानियाँ तथा डिजिटाइज़ेशन व ई-पुस्तक के प्रचलन, बढ़ते तेलों के दाम, डॉलर के दाम में आई उछाल से हुए महँगे आयात, फैक्ट्री चलाने के खर्चों का बढ़ना, आदि होने के बावजूद कागज़ की माँग में बढ़त होना बताया जा रहा है।

पिछले मार्च में Directorate General of Anti-Dumping And Allied Duties (DGAD) में All India Paper Manufacturers Association ने एक केस डाला था कि देश में आयात होने वाले कागज़ पर सरकार anti-dumping duty लगाए ताकि आयातित कागज़ महँगा हो जाए और लोग भारत में बना पेपर ही खरीदें। अतः भारत के मुद्रण उद्योग की शीर्ष संस्था All India Federation of Master Printers (AIFMP) ने 23 मार्च को DGAD को सौंपे गए अपने ज्ञापन में कागज़ पर anti dumping duty लगाए जाने का विरोध किया था। ज्ञापन में कहा गया कि यदि सरकार यह duty लगाती है तो आयातित कागज़ महँगा हो जाने के कारण मुद्रकों को IPMA की मिलों के एकाधिकार के अंतर्गत उन्हीं के द्वारा बनाया गया कागज़ ही खरीदना होगा चाहे वे अक्सर अपने माल के दाम बढ़ाते रहें।

मुद्रक भाईयों की एक बड़ी शिकायत यह भी है कि सरकारी अथवा गैर-सरकारी संस्थानों द्वारा पहले से टैन्डरों के तहत कम से कम दामों पर दिए गए अनुबन्धित आर्डरों को पूरा करना मुद्रकों के लिए असम्भव हो जाता है क्योंकि मिलें पहले से सूचना देकर आगाह नहीं करती हैं कि वे अपने कागज़ों के दाम बढ़ाने जा रही हैं। ऐसी सूचना के अभाव में मुद्रकों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। अतः दिल्ली प्रिन्टर्स एसोसिएशन AIFMP के साथ मिलकर इस duty का विरोध करती है।

-राजेश सरदाना
अध्यक्ष

महासचिव की कलम से

आज से कुछ दशक पूर्व तक गाँवों, कस्बों तथा शहरों में प्रतिवर्ष एक या दो बार लगने वाले मेलों का आकर्षण हर आयु के व्यक्तियों, विशेषकर बच्चों को लुभाता था। ऐसे मेलों व नुमाइशों में लोग सज-धज कर घूमने जाते थे तथा विभिन्न प्रकार के झूलों तथा दिखाए जाने वाले नए-नए करतबों का मजा लेने के साथ तरह-तरह के व्यंजनों को खाने एवं भॉति-भॉति की दुकानों से क्षमता अनुसार खरीदारी करने का भी आनन्द लेते थे। इन मेलों में तेज़ी से बिकने वाले मालों की खपत अधिक होने के कारण दुकानदारों को बड़ा लाभ कमाने का अवसर मिल जाता था। किन्तु आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया का तीव्र विकास होने तथा शहरों में बड़ी संख्या में बन रहे शॉपिंग मालों, सिनेमाघरों आदि के प्रचलन के कारण लोगों में इस प्रकार के मेलों में जाने का उत्साह समाप्त हो गया है। अतः इन मेलों का लगना भी लगभग लुप्त होता जा रहा है।

हमारे प्रिन्टिंग उद्योग के संदर्भ में यदि हम इस प्रकार की नुमाइशों अथवा प्रदर्शनियों की बात करें तो देखेंगे कि इनका महत्व बढ़ता जा रहा है। देश-विदेश के बड़े शहरों में लगाई जाने वाली प्रिन्टिंग तथा पैकेजिंग की नवीनतम मशीनों की प्रदर्शनियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बड़े-बड़े हॉलों में एक ही छत के नीचे विभिन्न देशों से आकर मशीनरी बनाने वाली कम्पनियाँ अपने स्टाल पर अपनी मशीनों का स्थिर तथा चलते रूप में प्रदर्शन करती हैं जिन्हें जाँचने-परखने तथा खरीदने के लिए संसार के दूर-दराज़ के प्रदेशों से मुद्रकगण आते हैं और आमने-सामने बैठकर तथा मोल-भाव करके सौदे पक्के कर लेते हैं।

ऐसी अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में मैन्युफैक्चरिंग कम्पनियों द्वारा भाग लेना काफी महंगा पड़ता है किन्तु यदि प्रदर्शित मशीनें अपेक्षित उत्तमता तथा उचित दामों पर उपलब्ध हैं तो उनकी खरीद के बड़े आर्डर प्राप्त करके समुचित लाभ कमाया जा सकता है। विज्ञापन द्वारा दर्शाए गए माल के स्थान पर यदि उसी माल को किसी प्रदर्शनी में दर्शाया जाए तो वह शीघ्रता से बिक जाता है क्योंकि प्रदर्शनियों में आने वाले दर्शक वास्तविक ग्राहक होते हैं जो मौके पर ठोक-बजा कर माल खरीदने के उद्देश्य से ही आते हैं। अतः जितनी बड़ी प्रदर्शनी होगी उसमें उतनी ही विविध प्रकार की नवीनतम मशीनरी देखने को मिलेगी तथा उतने ही अधिक दर्शक अथवा ग्राहक आऐंगे। चूंकि इन प्रदर्शनियों में बेचने तथा खरीदने वाली दोनों ही प्रकार की कम्पनियों को लाभ मिलता है, अतः इन प्रदर्शनियों का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है।

-महिन्द्र बुद्धिराजा
महासचिव

M.K.TRADING COMPANY

Deals in :
All Kinds of Offset Printing Material
& Book Binding Material

Authorised Distributor
SAKATA INX INDIA PVT. LTD.
TOYO INK INDIA PVT. LTD.

C-4/15, Ground Floor, Krishna Nagar, Delhi-51
Ph.: 011-22093611, M.: 9873362611
Email : mktradngco@gmail.com

http:// delhiprintersassociation.org

वेब साइट लांच, डिजिटल हुआ डीपीए!

सूचना क्रांति ने दुनिया के हर व्यक्ति को प्रभावित किया है। कम्प्यूटर स्मार्टफोन के रूप में हरेक के हाथ में है। सूचना प्राप्ति की गति इससे पहले इतनी तेज और विस्तृत कभी नहीं रही। वास्तव में डिजिटल होना आज के युग में न केवल समय की वास्तविकता है, बल्कि अपरिहार्य है। काफी अरसे से डीपीए की वेबसाइट विकसित करने की जरूरत महसूस की जा रही थी। 26 जुलाई को यह कार्य सम्पन्न हुआ जब डीपीए की कार्यकारिणी की बैठक में इसे विधिवत रूप से लांच किया गया।

यह वेबसाइट दो महीने की अवधि में तैयार हो सकी है। डायनामिक वेब साइट के रूप में विकसित इस साइट को लगातार अपडेट किया जा सकता है।

संस्थाओं की वेबसाइट को डॉट आर्ग (.org) के डोमेन के साथ रजिस्टर्ड किया जाता है। डीपीए की वेबसाइट भी इसी डोमेन के साथ रजिस्टर्ड की गई है। साईट को होम, एबाउट अस, पास्ट प्रेसीडेंट, इवेंट्स, पब्लिकेशन, मेम्बरशिप और कांटेक्ट अस पेजों में विभाजित किया गया है। एबाउट अस में डीपीए के संक्षिप्त इतिहास के साथ–साथ संस्था का संविधान भी दिया गया है। पूर्व प्रधानों का जिक्र पास्ट प्रेसीटेंड में सभी चित्रों के साथ अवधि सहित दर्शाया है। इवेंट्स में प्रिंटिंग संबंधी प्रदर्शिनियों और कार्यक्रमों को रखा गया है जबकि पब्लिकेशन में डीपीए की दोनों पत्रिकाओं दिल्ली प्रिंटर और मासिक समाचार पत्रिका के नए और पुराने अंकों की पीडीएफ फाइलों को अर्काइव किया गया है, जिसे यूजर भलिभांति पढ़ सकता है। मेम्बरशिप में सदस्यता और वार्षिक शुल्क की दरें वर्गीकृत रूप से दी गई है। इसके अलावा डीपीए का सदस्य बनने के लिए सदस्यता फार्म डाउनलोड करने का ऑपशन दिया गया है। कांटेक्ट अस में डीपीए का पूरा पता नक्शे के साथ, फोन नम्बर और ई–मेल एड्रेस दिया गया है। यहीं एक ऐसा ऑपशन भी दिया गया है, जहां से यूजर सीधे डीपीए की मेल पर अपनी कोई भी सूचना/ समस्या भेज सकता है। वेब साइट लांचिंग के दौरान कार्यसमिति की बैठक में पूर्व

RHINE SOLAR LIMITED

MANUFACTURERS OF SOLAR MODULES (10W - 325W)

THE SUN THAT NEVER SETS

Regd. Office: -
A-75/4, 2nd Floor,
Wazirpur Industrial Area
New Delhi - 110052
Ph.: - +91-11-45510515
+91-11-45501254

Sales Office: -
907,Aggarwal plaza-1,
Netaji Subash Palace,
Pitampura, New Delhi-110034
+91-11-45615111

Work: -
417, EPIP, Phase-III
Kundli Industrial Estate,
Sonepat, Haryana-131028
+91 130 2371331

Email : shiv@rhinesolar.in • Web : www.rhinesolar.in

अध्यक्षों सहित कार्यकारिणी के सदस्य मौजूद रहे। श्री राजीव गुप्ता, श्री सुनील जैन, श्री ओपी दीवान, श्री बद्री कुमार सिंह, श्री मुकेश कौशिक, श्री विजय मोहन और श्री वी.के. कंवर (सभी पूर्व अध्यक्ष), श्री मेघराज भाटी, श्री प्रकाश दास (उपाध्यक्ष) श्री महिंदर बुद्धिराजा (मानद महासचिव), पुनीत तलवार (सुयक्त सचिव), श्री अशोक कुमार नांदरा, श्री दीपक भाटिया, श्री पी.के. चौहान, श्री पी.एन. कपूर, श्री प्रशांत अग्रवाल, श्री शिव मित्तल और श्री विजय गोयल (कार्यकारिणी सदस्य) उक्त बैठक में उपस्थित थे।

वेबसाइट को डिजाइन और विकसित करने का कार्य श्री मुहम्मद बिलाल किरमानी (वोस्ट्रो सर्विसेस), सीनियर वेब डवलपर ने किया। यह वेब साइट उच्चस्तरीय रिस्पोंसिव है, जो कम्प्यूटर, स्मार्टफोन, और टेबलेट जैसे डिवाइस पर खोली जा सकती है। सदस्यों से अनुरोध है कि वह अपने सुझाव और प्रतिक्रिया से अवगत कराएं।

New Members

Print Aid Enterprises P. Ltd.,
(Associate Member)
(Mr. Rajinder Chhabra)
67, DSIDC Shed, Ground
& First floors,
Okhla Indl. Area, Phase-I,
New Delhi-110 020.

Shri Ganesh Associates,
(Ordinary Member)
(Mr. Ashok Kumar Tyagi)
C83/11, Mohan Puri,
Gali No.7, Maujpur,

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

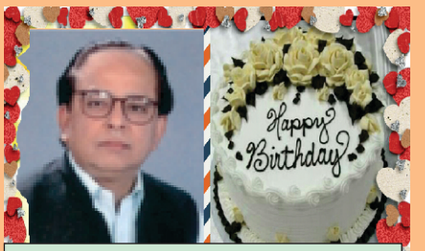

Mr. Vijay Mohan, Senior Former President of DPA and owner of Shalimar Offset Press on July 18, 2018

Mr. Shiv Mittal, Executive Committee Member of DPA and owner of Vindya Form Pvt. Ltd on July 11, 2018.

FALCON VACUUM PUMPS

D LV 1000 C DV
For Komori Offset

D LV 1000 C DVVL
For Heidelberg Double Color

Manufactured, Sold & Serviced by :
FALCON VACUUM PUMPS & SYSTEMS
98, Ram Saroop Industrial Complex,
Mujessar, Faridabad - 121 005, (Hr.) INDIA
Phone : +91-129-4022837, 4026023
Fax : +91-129-4022837
E-mail : tkbind@hotmail.com
falcon_pumps@yahoo.co.in
Website: www.falconpumps.com

प्रिंटर्स की प्रदूषण संबंधी समस्याएं :
पर्यावरण सचिव से डीपीए का प्रतिनिधिमंडल मिला

पर्यावरण सचिव श्री एस. एस. अली से भेंटवार्ता के दौरान डीपीए का प्रतिनिधिमंडल

डीपीए के प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली सरकार के विशेष सचिव (पर्यावरण) श्री एस. एम. अली से मुलाकात करके दिल्ली के प्रिंटर बंधुओं की समस्याओं के बारे में बताया। इस प्रतिनिधि मंडल में डीपीए के मानद महासचिव श्री महिंदर बुद्धिराजा, पूर्व प्रधान श्री सुनील जैन और श्री मुकेश कौशिक, संयुक्त सचिव श्री पुनीत तलवार, कार्यकारिणी सदस्य श्री प्रबीर कुमार मुखर्जी, श्री अशोक अग्रवाल और श्री दीपक भाटिया शामिल थे। प्रिंटर्स की 'कनसेंट टू आपरेट' सार्टिफिकेट के नवीनीकरण की समस्या प्रमुख रूप से सामने आई।

यह मीटिंग विशेष सचिव श्री अली के कार्यालय में आयोजित की गई। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बिठाया। प्रतिमंडल द्वारा फूलों का गुलदस्ता और 'दिल्ली प्रिंटर' तथा मासिक समाचार पत्रिका के नए अंक की प्रतियां उन्हें भेंट की गईं।

श्री सुनील जैन ने 'कंसेंट टू ऑपरेट' के नवीनकरण की समस्या के बारे में बताया तो श्री अली ने कहा कि सरकार का एनआईसी विभाग डीपीसीसी के मिले सुझावों और शिकायतों को ध्यान में रखते हुए 'साफ्टवेयर' विकसित कर रहा है। यह साफ्टवेयर लगभग तैयार हो चुका है और ट्रायल रन की प्रक्रिया से गुजर रहा है। श्री अली ने आश्वस्त किया कि जैसे ही साफ्टवेयर पूरी तरह स्थापित कर दिया जाएगा नवीनीकरण सहित अन्य शिकायतें दूर हो जाएंगी। खतरनाक कचरे के निपटाने के बारे में सवाल का जवाब देते हुए श्री अली ने रहा कि इस वर्ष के अंत तक बवाना में इनसिनेरेशन प्लांट तैयार हो जाएगा। कचरे को वहां प्रोसेस किया जाएगा।

श्री अशोक अग्रवाल ने जब प्रदूषण प्रमाणपत्र हासिल करने संबंधी कठिनाई बताई तो श्री अली ने कहा कि प्रदूषण से संबंधित हर शिकायत का समाधान ऑनलाइन प्रोसेस द्वारा किए जाने का प्रबंध हो रहा है, 3-4 माह में यह सिस्टम विधिवत ढंग से काम करने लगेगा।

पूर्व प्रधान श्री मुकेश कौशिक ने स्पष्ट करते हुए कहा कि टेक्नॉलोजी के विकास के कारण प्रिंटिंग प्रोसेस में खतरनाक कचरे का बनना लगभग खत्म हो गया है, अब इको-फ्रेंडली और गैर नुकसानदेह प्रिंटिंग प्रोसेस हो चुकी है, तो प्रिंटिंग को पुन: ग्रीन कैटेगरी में रखा जा सकता है? इसके जवाब में श्री अली ने बताया कि प्रिंटिंग प्रेस को पुन: ग्रीन कैटेगरी में वापस लाना संभव नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर प्रिंटिंग प्रोसेस में कम नुकसानदायक कचरा निकलता है तो इस पर निर्णय सीपीसीबी और डीपीसीसी जैसी नियंत्रण संस्थाओं द्वारा लिया जा सकता है। श्री अली ने यह भी कहा कि कंसेंट टू आपरेट और प्रदूषण प्रमाण पत्र के लिए दलालों और बीच के व्यक्तियों का मोहरा न बनें। हमारा विभाग प्रिंटर्स सदस्यों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रतिनिधिमंडल ने श्री अली का समय देने के लिए धन्यवाद दिया और श्री अली ने उन्हें जलपान करने के साथ विदा किया।

FAG OFFSETPRESS 104 (in good working condition)

THIS CAN ALSO BE USED FOR METAL PRINTING SWISS MADE

FLATBED OFFSET POWER PROOFPRESS WITH TROLLEY-MOUNTED, INTERCHANGEABLE INKING UNIT, PRINTING SIZE 72 X 104 cm

TECHNICAL SPECIFICATION

Overall Dimensions

Length	444cm
Width	190cm
Height	135cm
Height to paper table	125cm

CONTACT

Alam - 8178976955
9810237848

Mujahid Ali - 9899045194
01244019895

बैंक नोट मुद्रणालय, देवास

बैंक नोट मुद्रणालय, देवास भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग के पूर्ण स्वामित्वाधीन भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड की औद्योगिक इकाई है, जो कि विभिन्न मूल्य वर्ग के उच्च गुणवत्ता युक्त विश्वस्तरीय बैंक नोटों के मुद्रण के लिए 1974 में स्थापित हुई है। यह इकाई जाली नोटों को रोकने वाली इंटेगिलयों ओरलोफ प्रिंटिंग, माइक्रो टिन्टस, इंटरलाक डिजाईन, पारदर्शन डिजाईन, प्रच्छन्न छवि, फ्लूओरेसेन्ट एवं विभिन्न आपिटकल स्याही आदि से युक्त बैंक नोट के मुद्रण में आबद्ध है जो कि भारतीय रिजर्व बैंक की बढती आवश्यकताओं को पूर्ण करती है।

भौगोलिक स्थिति

देवास एक प्राचीन शहर है, जो मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र में स्थित देवास जिले का मुख्यालय है। यहाँ पर टाटा इंटरनेशनल, रेनबेक्सी, एस कुमार्स, जोनसन पाउडर तथा आयशर जैसे कई बड़े निजी क्षेत्र के उद्योग भी स्थित हैं। देवास शहर की प्रसिद्ध चामुण्डेश्वरी पहाडी के निकट आगरा मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर यह स्थित है। यह मालवा क्षेत्र के इंदौर और उज्जैन से 35 कि.मी. दूरी पर और देवास रेलवे स्टेशन से 1.5 कि.मी. दूरी पर स्थित है।

इतिहास

भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक व्यय विभाग की औद्योगिक इकाई बैंक नोट प्रेस, देवास की संकल्पना 1969 में की गई और 1974 में इसकी स्थापना हुई। उस समय यह एकमात्र ऐसी इकाई थी जिसने दक्षिण एशियन क्षेत्र में उत्कीर्ण मुद्रण की नवीन प्रौद्योगिकी को अंगीकार किया था और शीघ्र ही उच्च मूल्य वर्ग की उच्चतर सुरक्षा युक्त मुद्रा को मुद्रित करने वाले प्रभावी संस्थानों में सम्मिलित हो गई। विगत 30 वर्षो से भारतीय रिजर्व बैंक ने उच्च मूल्य प्रवर्ग के बैंक नोट मुद्रण की सदैव बढ़ती मांग को पूर्ण करने और इसके मुद्रण के अधिसत्तास्मक कार्य में बैंक नोट प्रेस को आबद्ध किया है। गुणवत्तायुक्त नवीन नोटों के उत्पादन के दृष्टिगत तत्कालीन आधुनिक प्रौद्योगिकियों जैसे इंटेगिलयों प्रिंटिंग, ड्राय, आफसेट प्रिटिंग के साथ सुरक्षा लक्षणों जैसे निरंतर निरूस्त्रवण रंजन, अंतगर्थित अभिकल्पना पारदर्शन अभिकल्पना, प्रतिदीपित स्याही आदि का समावेश कर जालसाजी को बाधित करने के उद्देश्यों के साथ इसकी स्थापना हुई थी। देवास के आसपास की लगभग 250 लघु एवं मध्यम आकार की औद्योगिक इकाईयों में से यह एक वृहद, पुरानी और अपने आप में अपूर्व औधोगिक इकाई है, जिसका क्षेत्र की जनता की आजीविका और आर्थिक स्थिति में वृहद योगदान है। इकाई की स्थापना के लिए प्रौद्योगिकी, मशीनरी और बैंक नोट प्रेस की डिजाइन स्विटजरलैन्ड की अग्रगण्य सुरक्षा मशीन और समवर्गी उपकरण निर्माता कंपनी डेला. रू. गिओरी और कोईग एवं बाऊअर जो कि अब के बी.ए. गिओरी एस.ए. स्विटजरलैन्ड के नाम से जानी जाती है, से प्राप्त की गई है। उत्पादन का प्रारंभ वर्ष 1974 में हुआ और मार्च 1975 में रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया को नये नोटों का कन्साइन्मेंट भेजा गया। बैंक नोट प्रेस उच्च गुणवत्ता के नोटों के मुद्रण और प्रसंस्करण के लिए समस्त सुविधाओं से सुसजिजत है और विभिन्न गतिविधियों जैसे मुद्रण, गुणवत्ता नियंत्रण, अभियांत्रिकी, परीक्षण समूह, सहायक और प्रशासनिक समूह के नियंत्रण के लिए इसमे विभिन्न प्रभाग है। केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को प्रेस, आवासीय परिसर क्षेत्रों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई है। बैंक नोट मुद्रण में प्रयुक्त की जाने वाली सुरक्षा स्याही का उत्पादन स्याही कारखाने में किया जाता है, जिसकी स्थापना वर्ष 1973 में मुख्य कारखाना परिसर से जुड़े प्रेस परिसर में की गई है।

बैंक नोटों का मुद्रण

एसपीएमसीआईएल के अधिसत्तात्मक कार्यो को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के साथ यह इकाई वर्तमान में रु. 20, रु. 50, रु.100 और रु. 500 मूल्य के बैंक नोटों का मुद्रण कर रही है और किसी भी मूल्य वर्ग के बैंक नोटों के मुद्रण में सक्षम है। इस प्रकार की सुरक्षात्मक मुद्रण और प्रसंस्करण के लिए अत्याधुनिक प्लांट और मशीनरी की आपूर्ति विश्व की अग्रणी मेसर्स डे ला रूई गिऔरी द्वारा की गई है और साथ में सहायक सुविधाएं जैसे डिजाईन, स्टूडियों, प्लेट मेकिंग, एफ्लूऐन्ट ट्रिटमेंट प्लांट आदि भी सम्मिलित है। बैंक नोट प्रेस, देवास की अपनी स्वयं की सुरक्षा मुद्रण स्याही निर्माता मेसर्स एस.आई.सी.पी.ए. लांसेन, स्विटजरलैंड है। यह स्याही निर्माता इकाई बैंक नोट प्रेस, देवास की विविध प्रकार की मुद्रण इकाई की पूर्ति करने के साथ इसके सहयोगी संस्थानों जैसे चलार्थ पत्र मुद्रणालय, इंडिया सिक्युरिटी प्रेस, नाशिक रोड, सिक्यूरिटी प्रिंटिंग प्रेस, हैदराबाद और अन्य संस्थानों की आवश्यकताओं की पूर्ति भी करती है।

एस.पी.एम.सी.आई.एल. द्वारा प्रदत्त उत्तरदायित्वों को दक्षतापूर्वक और प्रभावी तरीके से पूर्ण करने हेतु इकाई के पास उत्पादन, नियंत्रण और रख–रखाव क्षेत्रों में लगभग 2000 कुशल और प्रशिक्षित मेन पावर हैं। मुद्रणालय के प्रारंभ करने के समय और बाद में आवश्यक प्रशिक्षण भी कार्मिकों को दिया गया है। प्रौधोगिकी उन्नयन के साथ साथ प्रशिक्षण का कार्य भी चलता रहता है। इकाई के पास गर्व करने योग्य समर्पित अधिकारियों, स्टाफ और श्रमिकों की टीम है जिन्होंने संगठन के लिए कई उपलबिधयां अर्जित की है। अपनी स्थापना के घटनापूर्ण रहे विगत 35 वर्षो में इस इकाई ने कई उपलब्धियों को प्राप्त कर भारतीय रिजर्व बैंक को उच्च गुणवत्तापूर्ण बैंक नोटो की आपूर्ति करने वाली विश्वसनीय और संभावनापूर्ण मुद्रक की प्रतिष्ठा अर्जित की है। बैंक नोट प्रेस, देवास महाप्रबंधक के नेतृत्व में कार्य करती है जो कि भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लि. के अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक को सीधे रिपोर्ट करते हैं।

DDM GRAPHIC
www.ddmgraphic.in
EUROPE'S BEST USED
OFFSET & BINDING MACHINES
HEIDELBERG MITSUBISHI HEAVY INDUSTRIES, LTD. RYOBI KBA KOMORI
294, Patpar Ganj Indl. Area, Delhi-92. Mobile: 9871155294, 9311611152
+91-11-43054852, Email: d.d.m.graphic@gmail.com

दिल्ली प्रिंटर्स क्लब द्वारा सम्मान समारोह

13 जुलाई 2018 को दिल्ली प्रिंटर्ज़ क्लब द्वारा जनरल बॉडी मीटिंग में डी.पी.ए. के नव निर्वाचित अध्यक्ष राजेश सरदाना उपाध्यक्ष श्री प्रकाश दास, महासचिव श्री महेन्द्र बुद्धिराजा, संयुक्त सचिव श्री पुनीत तलवार का भव्य स्वागत किया गया तथा डी.पी.ए. के पूर्व अध्यक्ष सर्वश्री विजय मोहन जी, विनोद राजपाल जी, वीर करण जी, राजकुमार आर्या जी, दीपक अरोड़ा जी, सुनील जैन जी, ओमप्रकाश दीवान जी तथा राजीव गुप्ता जी का शानदार स्वागत किया गया।

दिल्ली प्रिंटर्ज़ क्लब के अध्यक्ष श्री महेन्द्र बुद्धिराजा ने बताया कि हम कई वर्षों से दिल्ली प्रिंटर्ज़ एसो. के नवनिर्वाचित अध्यक्ष तथा ऑफिस बेयरर्स का स्वागत करते रहे हैं। इस वर्ष भी डी.पी.ए. अध्यक्ष श्री राजेश सरदाना, ऑफिस बेयरर्स तथा पूर्व अध्यक्षों का स्वागत करने का हमें सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

श्री राजेश सरदाना ने दिल्ली प्रिंटर्ज़ एसोसिएशन द्वारा किये गये कार्यों के बारे में जानकारी दी तथा इस शानदार स्वागत के लिए धन्यवाद किया। श्री विजय मोहन जी तथा श्री राजकुमार आर्या जी ने भी प्रिंटर्स के हित में कई जानकारियाँ दी।

श्री महेन्द्र बुद्धिराजा ने बताया कि 23 वर्ष पूर्व इस क्लब की स्थापना की गई थी। इस क्लब द्वारा फैलोशिप के अतिरिक्त सदस्यों को महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी जाती है। मंच का संचालन श्री राजकुमार आर्या द्वारा किया गया।